अनुक्रमांक	
नाम	

923

818(DU)

2023

संस्कृत

केवल प्रश्न-पत्र

पूर्णांक : 70

समय : तीन घण्टे 15 मिनट

सामान्य निर्देश:

- प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।
- (ii) प्रश्न-पत्र दो खण्डों 'अ' तथा 'ब' में विभाजित है।
- (iii) खण्ड 'ब' 2 उपखण्डों, उपखण्ड क, ख में विभाजित है।
- (iv) प्रश्न-पत्र के खण्ड 'अ' में बहुविकल्पीय प्रश्न हैं जिसमें सही विकल्प चुनकर O.M.R. शीट नीले अथवा काले बॉल प्वाइंट पेन से सही विकल्प वाले गोले को पूर्ण रूप से भरें ।
- खण्ड 'अ' में बहुविकल्पीय प्रश्न हेतु प्रत्येक प्रश्न के लिए 1 अंक निर्धारित है ।
- (vi) प्रत्येक प्रश्न के सम्मुख उनके निर्धारित अंक दिये गये हैं ।
- (vii) खण्ड 'ब' के प्रत्येक उपखण्ड के सभी प्रश्न एक साथ करना आवश्यक है। प्रत्येक उपखण्ड नये पृष्ट से प्रारम्भ किये जाएँ।
- (viii) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

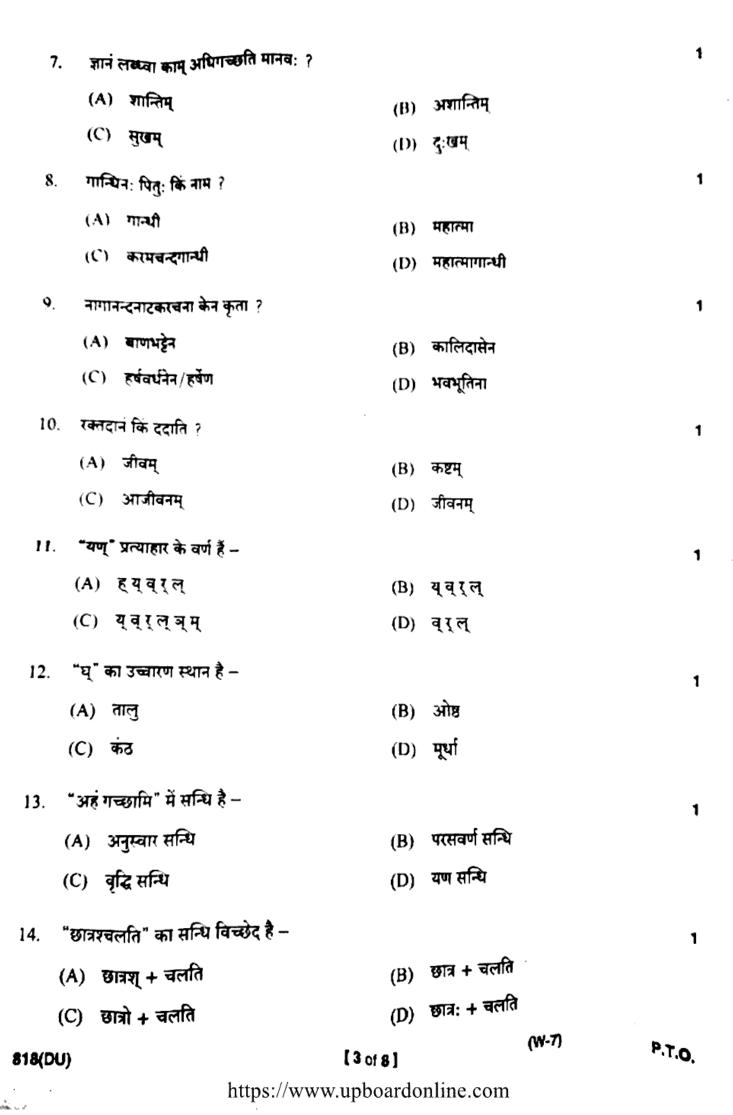


बहुविकल्पीय प्रश्न

प्रश्न संख्या 1 एवं 2 गद्यांश आधारित प्रश्न हैं। निम्न गद्यांश को ध्यान से पढ़ें और उत्तर का चयन करें :

इदन्तु सम्बक् वक्तुं शक्यते यत् नैतिकताचरणस्य नैतिकतायाश्च मुख्यमुद्देश्यं स्वस्य अन्यस्य च कल्याणकरणं भवति । कदाचित् एवमपि दृश्यते यत् परेषां कल्याणं कुर्वन् मनुष्यः स्वीयां हानिमपि कुरुते । एवंविधं नैतिकाचरणं विशिष्टं महत्वपूर्णं च मन्यते । परेषां हितं नैतिकतायाः प्राणभूतं तत्वम् ।

1.	उब	ल गद्यांश का शीर्षक है –				,
	(A	 विश्वकवि: रवीन्द्र: 	(B)	आदिशङ्कराचार्य	i :	
	(C) नैतिकमूल्यानि	(D)	गुरुनानकदेव:		
2.	नैति	कितायाः प्राणभूतं तत्वं किम् ?				1
	(A) स्वस्य हितम्	(B)	परेषां हितम्		
	(C) विदेशीयानां हितम्	(D)	पशूनां हितम्		
3.	ज्ये	तिरा वगोविन्द राव इत्याख्यस्य पत्न्याः किं ना	म ?			1
	(A) जीजाबाई	(B)	सावित्रीबाई		
	(C)	ज्योतिया बाई	(D)	अपूर्वा बाई		
4.	पार्थ	: किं न अपश्यत् ?				1
	(A)	न वृक्षं भवन्तं वा	(B)	केवलं वृक्षं		
	(C)	केवलं भवन्तम्	(D)	द्रोणम्		
5.	विवि	पबोधबुधै: का सेव्यते ?				1
	(A)	लक्ष्मी	(B)	पार्वती		
	(C)	विदुषी	(D)	सरस्वती		
6.	सदाच	एवान्नर: कति वर्षाणि जीवति ?				1
	(A)	दश	(B)	सहस्रम्		•
	(C)	शतम्	(D)	दशाधिकशतम्		
818(D	U)		[2 of 8]		(W-7)	



(C) "Зपग (A) (C) "त्रिभु (A) (C)	वनम्" का समास विग्रह है — त्रि भुवनानां समाहारः त्रिभु बनानां समाहारः खण्ड (वर्णनाल उपखण् सभी प्रश्न अनिवार्य हैं । लिखन गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश का हिन्दे एनामलौकिकीं वाचमुपश्रुत्य गोविन्द्रपादः तः गोविन्द्रपादादेव वेदान्ततन्वं विधिवद्धीत्य स	(D) (B) (D) (B) (D) (A प्रस्त) (B प्रस्त) (B प्रस्त) (B प्रस्त) (B प्रस्त) (B प्रस्त) (B प्रस्त)	तोट् लकार द्विगु अव्ययीभाव ग त्रयाणां भुवनानां समाहारः त्रिभूणां भुवनानां समाहारः 50
(C) "Зपग (A) (C) "त्रिभु (A) (C)	विधिलिङ् लकार हिम् में समास है - कर्मधारय हन्द्व बनम् का समास विग्रह है - त्रि भुवनानां समाहार: त्रिभु बनानां समाहार: खण्ड (वर्णनाल उपखण्य: सभी प्रश्न अनिवार्य हैं । लिखत गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश का हिन्दे एनामलौकिकीं वाचमुपश्रुत्य गोविन्दपाद: तर गोविन्दपादादेव वेदान्ततन्वं विधिवदधीत्य स	(D) (B) (D) (B) (D) (A प्रस्त) (B प्रस्त) (B प्रस्त) (B प्रस्त) (B प्रस्त) (B प्रस्त) (B प्रस्त)	तोट् लकार दिगु अव्ययीभाव 1 त्रयाणां भुवनानां समाहारः त्रिभूणां भुवनानां समाहारः रिश्रणां भुवनानां समाहारः
(C) "Зपग (A) (C) "त्रिभु (A) (C)	विधिलिङ् लकार हिम् में समास है - कर्मधारय हन्द्व बनम् का समास विग्रह है - त्रि भुवनानां समाहार: त्रिभु बनानां समाहार: खण्ड (वर्णनाल उपखण्य: सभी प्रश्न अनिवार्य हैं । लिखत गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश का हिन्दे एनामलौकिकीं वाचमुपश्रुत्य गोविन्दपाद: तर गोविन्दपादादेव वेदान्ततन्वं विधिवदधीत्य स	(D) (B) (D) (B) (D) (A प्रस्त) (B प्रस्त) (B प्रस्त) (B प्रस्त) (B प्रस्त) (B प्रस्त) (B प्रस्त)	तोट् लकार दिगु अव्ययीभाव 1 त्रयाणां भुवनानां समाहारः त्रिभूणां भुवनानां समाहारः रिश्रणां भुवनानां समाहारः
(C) "Зपग (A) (C) "त्रिभु (A) (C)	विधिलिङ् लकार हिम्" में समास है कर्मधारय इन्द्व बनम्" का समास बिग्रह है त्रि भुवनानां समाहार: त्रिभु बनानां समाहार: जिभु बनानां समाहार: इण्डः (वर्णनाल उपखण् : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। लिखन गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश का हिन्दे एनामलीकिकीं बाचमुपश्रूत्य गोविन्द्रपाद: त	(D) (B) (D) (B) (D) (A	तोट् लकार द्विगु अव्ययीभाव 1 त्रयाणां भुवनानां समाहारः त्रिभूणां भुवनानां समाहारः 50
(C) "Зपग (A) (C) "त्रिभु (A) (C)	विधिलिङ् लकार हिम्ं में समास है — कर्मधारय इन्द्व बनम्ं का समास विग्रह है — त्रि भुवनानां समाहार: त्रिभु बनानां समाहार: उपखण् सभी प्रश्न अनिवार्य हैं । लिखन गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश का हिन्द	(D) (B) (D) (B) (D) (- 'ब' (क प्रस्त	त्रेषु अव्ययीभाव । १ त्रयाणां भुवनानां समाहारः त्रिभूणां भुवनानां समाहारः । 50
(C) "3पग (A) (C) "রিমু (A) (C)	विधिलिङ् लकार हिम्ं में समास है कर्मधारय इन्द्व बनम्ं का समास विग्रह है त्रि भुवनानां समाहार: त्रिभु बनानां समाहार: खण्ड (वर्णनातः उपखण	(D) (B) (D) (B) (D)	तोट् लकार दिगु अव्ययीभाव ग त्रयाणां भुवनानां समाहारः त्रिभूणां भुवनानां समाहारः
(C) "उपग (A) (C) "त्रिभु (A)	विधिलिङ् लकार इ.म. में समास है — कर्मधारय इन्द्र बनम् का समास बिग्रह है — त्रि भुवनानां समाहार: त्रिभु बनानां समाहार: खण्ड (वर्णनाल	(D) (B) (D) (B) (D)	तोर् लकार दिगु अव्ययीभाव ग त्रयाणां भुवनानां समाहारः त्रिभूणां भुवनानां समाहारः
(C) "उपग (A) (C) "त्रिभु (A)	विधितिङ् लकार हिम्ं में समास है – कर्मधारय इन्द्व बनम्ं का समास विग्रह है – त्रि भुवनानां समाहार: त्रिभु बनानां समाहार:	(D) (B) (D) (B) (D)	तोट् लकार दिगु अव्ययीभाव ग त्रयाणां भुवनानां समाहारः त्रिभूणां भुवनानां समाहारः
(C) "उपग (A) (C) "त्रिभु (A)	विधितिङ् लकार हिम्ं में समास है – कर्मधारय इन्द्व बनम्ं का समास विग्रह है – त्रि भुवनानां समाहार: त्रिभु बनानां समाहार:	(B) (D) (B) (D)	तोट् लकार द्विगु अव्ययीभाव ग त्रयाणां भुवनानां समाहारः त्रिभूणां भुवनानां समाहारः
(C) "उपग (A) (C) "त्रिभु (A)	विधिलिङ् लकार हिम्ं में समास है – कर्मधारय इन्द्व बनम्ं का समास विग्रह है – त्रि भुवनानां समाहार:	(D) (B) (D)	लोट् लकार 1 द्विगु अव्ययीभाव 1 त्रयाणां भुवनानां समाहार:
(C) "उपग (A) (C) "त्रिभु (A)	विधिलिङ् लकार हिम्ं में समास है – कर्मधारय इन्द्व बनम्ं का समास विग्रह है – त्रि भुवनानां समाहार:	(D) (B) (D)	लोट् लकार 1 द्विगु अव्ययीभाव 1 त्रयाणां भुवनानां समाहार:
(C) "उपन (A) (C) "त्रिभु	विधिलिङ् लकार हिम् [°] में समास है ~ कर्मधारय इन्द्व बनम् [°] का समास विग्रह है —	(B) (D)	लोट् लकार 1 द्विगु अव्ययीभाव 1
(C) "उपग (A) (C)	विधिलिङ् लकार इम्" में समास है ~ कर्मधारय इन्द्र	(D) (B)	लोट् लकार 1 द्विगु
(C) "उपग (A)	विधितिङ् लकार इम्" में समास है ~ कर्मधारय	(D) (B)	लोट् लकार 1 द्विगु
(C) "उपग	विधिलिङ् लकार इम्" में समास है ~	(D)	लोट् लकार 1
(C)	विधितिङ् लकार		
(\mathbf{A})	लङ्ग लकार		/ · · · · · · · · · · · · · · · · · · ·
		(B)	लट् लकार
"वसे	्री रूप किस लकार का है ?		•
(C)	लट् लकार, उत्तम पुरुष, बहुवचन	(D)	विधिलिङ् लकार, प्रथम पुरुष, एकवचन
		(B)	लोट् लकार, मध्यम पुरुष, द्विवचन
"स्था	स्यति° रूप है –		
(C)	नोदिषु	(D)	उक्त में से कोई नहीं
		(B)	नदीषु
"नदी	ेपद का सप्तमी विभक्ति बहुवचन का रूप है –		
		(D)	तृतीया द्विवचन
			तृतीया एकवचन
"सज	भि _{ं पट किस} विभक्ति एवं वचन का रूप है ?		
	(A) (C) "元む" (A) (C) "花如" (A)	"राजिभः पद किस विभक्ति एवं वचन का रूप है! (A) द्वितीया द्विवचन (C) तृतीया बहुवचन "नदी" पद का सप्तमी विभक्ति बहुवचन का रूप है — (A) नदषु (C) नोदिषु "स्थास्यित" रूप है — (A) लृद लकार, प्रथम पुरुष, एकवचन (C) लट् लकार, उत्तम पुरुष, बहुवचन	(C) तृतीया बहुवचन "नदी" पद का सप्तमी विभक्ति बहुवचन का रूप है — (A) नदषु (C) नोदिषु "स्थास्यति" रूप है — (A) ल्ट् लकार, प्रथम पुरुष, एकवचन (B)

https://www.upboardonline.com

	(ভ)	पिता तस्य तद्वृतं संश्रुत्य खिद्यमानः भृशं चुकोप । तदानीमेव नानकस्य भी	_{गिनीपतिः} जयराम आगतः	: I
	. ,	तमिखलमुदन्तं ज्ञात्वा तं स्वनगरं सुलतानपुरमनयत् । तत्रत्यः शासकः नव	_{गबदौलतखाँ} युवकनानक	स्य
		व्यवहारकौशलेन शिलेन मधुरया वाचा सन्तुष्टः सन् तं स्वान्नभाण्डागारे नियुव	स्तवान् ।	
2.	निर्म्ना	लेखित पाठों में से किसी एक पाठ का सारांश हिन्दी में लिखिए:		4
	(ক)	नैतिकमूल्यानि		
	(জ)	आदिशङ्कराचार्यः		
	(শ)	गुरुनानकदेवः		-
3.	निम्न	लेखित श्लोकों में से किसी एक श्लोक की हिन्दी में व्याख्या कीजिए :		4
	(ক)	पश्याम्येकं भासमिति द्रोणं पार्थोऽभ्यभाषत ।		
		न तु वृक्षं भवन्तं वा पश्यामीति च भारत ॥		
	(ব্ৰ)	एकाकी चिन्तयेन्नित्यं, विविक्ते हितमात्मनः।		
		एकाकी चिन्तयानो हि परं श्रेयोऽधिगच्छति ।।		
4.	निम्न	लेखित सूक्तियों में से किसी एक सूक्ति की हिन्दी में व्याख्या कीजिए :		3
	(क)	क्षीयन्ते खलु भूषणानि सततं वाग्भूषणं भूषणम् ।		
	(ख)	विद्या न याऽप्यच्युतभक्तिकारिणी ।		
	(ŋ)	समत्वं योग उच्यते ।		
5.	निम्नि	खित में से किसी एक श्लोक का अर्थ संस्कृत में लिखिए :		4
	(क)	बाच्यं श्रद्धासमेतस्य पृच्छतश्च विशेषतः ।		
	,	प्रोक्तं श्रद्धाविहीनस्याप्यरण्यरुदितोपमम् ।।		
	(ন্তু)	न पाणिपादचपलो, न नेत्रचपलोऽनृजुः ।		
	;	न स्याद्वाक्वपलश्चैव, न परद्रोहकर्मधीः ।।		
5.	(क) ¹	नेम्नलिखित में से किसी एक पात्र का चरित्र-चित्रण हिन्दी में लिखिए :		4
	` '	(i) "कारुणिको जीमूतवाहनः" पाठाधार पर "जीमूतवाहन" का		•
		्रे - ज्याराज्याः" पात्राधार धर "दिवा" का		
		(ii) "योतुकः पापसञ्चयः पाठापार पर ।वनव पा (iii) "वर्य भारतीयाः" पाठाधार पर "अध्यापक" का		
			(W-7)	_
18(D	U)	[5 of 8]	(117')	.D.T. ^e

https://www.upboardonline.com

	((निम्नलिखित में से किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत में लिखिए:	_
		(i) समेधा कस्य पुत्री आसीत् ?	
		(ii) महात्मागान्धिमहोदयस्य जन्म कुत्र अभवत् ?	
		(iii) जीमूतवाहनः कस्य पुत्रः आसीत् ?	
		उपखण्ड ~ ख	
7.	(क)	निम्नलिखित रेखाङ्कित पदों में से किसी एक में निर्देशानुसार विभक्ति का नाम लिखिए :	2
		(i) अहं नेत्राभ्यां पश्यामि । https://www.upboardonline.com	
		(ii) तस्मै कदलीफलानि रोचन्ते ।	
		 (iii) किं त्वं वनात् आगच्छिस ?	
	(ख)	निम्नलिखित में से किसी एक पद में प्रत्यय लिखिए :	2
		(i) पीत्वा	
		(ii) पठितुम्	
		(iii) चलनीयः	
8.	निम्नरि	लेखित में से किसी एक का वाच्य परिवर्तन कीजिए :	3
	(क)	माता पत्रं लिखति ।	
	(ख)	रामेण गम्यते ।	
	(ग)	करुणेश: पुस्तकं पठित ।	
9.	निम्नि	लेखित वाक्यों में से किन्हीं तीन बाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए :	2 × 3 = 6
	(i)	राम या कृष्ण पढ़ते हैं ।	- •
	(ii)	क्या मैं खाऊँ ?	
	(iii)	मैं पिताजी के साथ बाजार जाता हूँ ।	
		अप्नि के लिए स्वाहा ।	
		पुत्र पिता से रामायण पढ़ते हैं ।	
 818([6 of 8] (W-7)	
•	•		

https://www.upboardonline.com

10.	निम्नलिखित में से किसी एक वि	षय पर संस्कृत में आउ जा	मों में निबन्ध लिखिए
-----	------------------------------	-------------------------	----------------------

- (i) सत्सङ्गतिः
- (ii) उद्यम:
- (iii) अस्माकं देशः
- (iv) विद्या ज्ञानाय
- (v) महाकवि: वाल्मीकि:
- 11. निम्नलिखित पदों में से किन्हीं दो पदों का संस्कृत वाक्यों में प्रयोग कीजिए:

 $2 \times 2 = 4$

- (i) सर्वदा
- (ii) रक्षति
- (iii) प्रतिदिनम्
- (iv) आदाय
- (v) पठन्